इजिस्टर्ड नं 0 पी 0/एस 0 एम 0 14.



राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 14 जुलाई, 1987/23 ब्राषाढ़, 1909

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायतीं राज विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला-2, 14 जुलाई, 1987

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0(3)-2/76-II.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रधिनियम, 1968 (1970 का 19 वां ग्रधिनियम) की धारा 55 में निहित शिवतयों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश जिला सिरमौर की विकास खण्ड पच्छाद तथा पांवटा की निम्नलिखित ग्राम पंचायतों को ग्रधिकमण (सुपरसीड) करने का सहर्ष ग्रादेश देते हैं, क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रधिनियम, 1968 की धारा 10 (2) के प्रथम परन्तुक के ग्रन्तर्गत इन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 8-5-87 से समाप्त हो चुका है जिसे ग्रीर ग्रागे नहीं बढ़ाया जा सकता :—

क्रम सं0	पंचायत का नाम	विकास खण्ड का ना	म
1.	वद्गीपुर	पांबटा	
2.	भाटावली	पांनटा पच्छाद	
3.	राजगढ़		
1501-राजपत्न/87-14-7-871,220.		(1095)	मूल्य: 20 पैसे ।

राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 55(सी) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्राम पंचायतों की पुनःस्थापना तथा कार्य ग्रारम्भ करने के समय तक के लिए, ग्राम पंचायत बद्रीपूर तथा भाटावली के तहसीलदार पांवटा को तथा ग्राम पंचायत राजगढ़ के लिए तहसीलदार राजगढ़ को ग्राम पंचायत की पूर्ण शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन्हें निभाने हेतु प्रशासक नियुक्त करने का भी सहर्ष श्रादेश देते हैं।

ग्रादेश द्वारतं, हस्ताक्षरितः/-सचित्र।